

दही स्त्री. मद्य, शराब, मदिरा पुं. पुष्पसार, फूलों का सार।

परिस्रुता स्त्री. (तत्.) 1. मद्य, शराब 2. अंगूरी, शराब।

परिस्वंगन पुं. (तत्.) 1. आलिंगन 2. दे. परिष्वंग।

परिहंस पुं. (देश.) 1. ईर्ष्या, डाह 2. परिहास, लोक में होने वाली हँसी 3. खेद, दुःख।

परिहत स्त्री. (तत्.) 1. हल के पीछे लगी वह लकड़ी जिसे पकड़कर हल चलाया जाता है 2. मृत, मुर्दा, मरा हुआ 3. नष्ट 4. शिथिल, ढीला-ढाला 5. अस्त-व्यस्त।

परिहरण पुं. (तत्.) 1. बिना पूछे अपने अधिकार में कर लेना, छीन लेना, अपहरण करना 2. त्याग, परित्याग, तजना, छोड़ना 3. दोष या अनिष्टादि का उपाय करना, उपचार करना 4. किसी दोष, खराबी या बुराई का निवारण करना।

परिहरणीय वि. (तत्.) 1. हरण के योग्य, छीन लेने योग्य, हरणीय 2. त्याग के योग्य, त्याज्य 3. उपचार के योग्य 4. निवारण योग्य।

परिहरना अ.क्रि. (देश.) 1. त्यागना, छोड़ना, तज देना 2. छीन लेना 3. नष्ट करना।

परिहसित वि. (तत्.) जिसका परिहास किया गया हो।

परिहस्त पुं. (तत्.) अंगुली में पहना जाने वाला छल्ला, अँगूठी, मुद्रिका।

परिहा पुं. (देश.) एक प्रकार का छंद।

परिहाणि स्त्री. (तत्.) 1. हानि, घाटा 2. हास, अवनति 3. परित्याग 4. उपेक्षा।

परिहार पुं. (तत्.) 1. त्यागना, छोड़ना 2. दोष मुक्ति या दोष से छुटकारा 3. दोष मुक्ति का निदान या उपाय, उपचार 4. गाँव के चारों ओर छोड़ी गई परती भूमि, ऐसी जमीन जिसमें सभी गाँववासी अपने पशु चरा सकते हैं, पर उसमें खेती नहीं की जा सकती 5. युद्ध आदि में जीता हुआ धन, परिसंपत्ति, वस्तुएँ 6. कर की माफी 7. खंडन 8. नाटक के अंतर्गत किसी अनुचित या अवैधानिक कार्य का प्रायश्चित्त

करना 9. अवज्ञा, तिरस्कार 10. अपेक्षा 11. मनु के अनुसार किसी स्थान विशेष का नाम 12. अवध और बुंदेलखंड में बसे राजपूतों की एक जाति 13. दे. प्रहार।

परिहारक वि. (तत्.) परिहार करने वाला।

परिहार्य वि. (तत्.) 1. जिसका परिहार हो सके या किया जा सके 2. त्यागने या निवारण करने योग्य।

परिहास पुं. (तत्.) 1. हँसी, दिल्लगी, हँसी-मजाक 2. रंज, खेद, दुःख 3. दे. परिहंस।

परिहास कथा पुं. (तत्.) ऐसी कथा या कहानी जो हास्य युक्त हो।

परिहासशील वि. (तत्.) हँसी-मजाक करने वाला, परिहास से भरा हुआ।

परिहित वि. (तत्.) 1. ढका हुआ, चारों से छिपा या घेरा हुआ, आच्छादित 2. पहना हुआ वस्त्र, डाला हुआ वस्त्र।

परिहीण वि. (तत्.) 1. अत्यंत हीन, हर प्रकार से हीन, दीन-हीन 2. दुखी-दरिद्र, फटेहाल 3. त्यक्त, त्यागा हुआ 4. अपेक्षित।

परिहत वि. (तत्.) 1. गिरा हुआ, पतित 2. नष्ट, ध्वस्त, बरबाद 3. जिसका परिहरण किया गया हो, छोड़ा हुआ 4. त्यागा हुआ, छोड़ा हुआ।

परिहृति स्त्री. (तत्.) 1. त्यागना, छोड़ना 2. नाश, क्षय, ध्वंस।

परिहेलना स.क्रि. (तत्.+देश.) अनादर या तिरस्कारपूर्वक दूर हटाना।

परीदन पुं. (तत्.) 1. प्रसादन, आराधना, तोषण 2. भेंट, उपहार।

परी स्त्री. (फा.) 1. अत्यंत रूपवती, स्त्री, अप्सरा 2. फारसी की प्राचीन कथाओं में उल्लिखित ऐसी परम सुंदरियाँ जो जहाँ चाहे उड़ सकें, आ-जा सकें, अवतरित हो जाएँ, विलुप्त हो जाएँ, ऐसी सुंदरियों का निवास स्थान काकेशस पर्वत माना गया है 3. अत्यंत सुंदर स्त्रियों के लिए प्रयुक्त